सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 243 | जौनपुर, गुरूवार, 30 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सभी जिलों के अस्पताल अलर्ट मोड पर

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में गर्मी और लू को देखते हुए अस्पतालों की व्यवस्था पुख्ता कर दी गई है। सभी चिकित्साधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। वार्ड में कूलिंग की व्यवस्था रखने और लू संबंधी सभी दवाएं पर्याप्त मात्रा में रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में तापमान में लगातार बढोतरी हो रही है। मौसम विभाग ने सप्ताहभर लू का प्रभाव अधिक रहने की चेतावनी दी है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी चिकित्साधिकारियों को अलर्ट कर दिया है। मुख्य चिकित्साधिकारियों, चिकित्सा अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों को भेजे निर्देश में कहा कि गर्मी और लू को लेकर पहले से जारी निर्देश का पूरी तरह से पालन किया जाए। इमरजेंसी वार्ड एवं अन्य वार्डों में कूलर, पंखा और एसी को दुरुस्त रखा जाए। गर्मी और लू लगने पर उपचार में प्रयोग होने वाली दवाओं का पर्याप्त स्टाक रखें। जहां दवाएं कम हों, उन्हें तत्काल मंगवा लिया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर शुद्ध एवं ठंडा पानी की व्यवस्था कराने, गर्मी से बचाव के लिए शेलटर्स की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं।

दोपहर एक से चार बजे तक खुले में काम पर रोक

राजधानी में गर्मी के तीखे तेवर से लोग बेहाल हैं। ऐसे में हीट वेव से बचाव के लिए उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और नगर निगम के बीच बुधवार को स्मार्ट सिटी के ऑफिस में हुई विशेष बैठक में अहम फैसले लिए गए।

करण भूषण सिंह के काफिले से टकराई बाइक, दो की मौत

गोंडा, संवाददाता। कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह के पुत्र और भाजपा उम्मीदवार करणभूषण सिंह के तेज रफ्तार गाड़ियों के काफिले ने तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य महिला की हालत नाजुक है, प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। यह हादसा करनैलगंज–हुजूरपुर मार्ग पर छतईपुरवा स्थित बैकुंठ डिग्री कालेज के करीब बुधवार की सुबह हुआ। दुर्घटना के बाद एस्कॉर्ट में चल रही फॉर्च्यूनर गाड़ी छोड़कर मौके से बाकी लोग भाग खड़े हुए। सूचना मिलते ही मौके पर गांववालों की भीड़ जमा हो गई।

सड़क पर विरोध के साथ–साथ आक्रोशित लोगों ने गाड़ी फूंकने की कोशिश भी की। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर लवकुश श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है। वह नवाबगंज के सिरसा खैरगाढ़ा का रहने वाला है। हादसे के बाद कटरा बाजार, परसपुर, कौड़िया व करनैलगंज थाने की पुलिस फोर्स ने मोर्चा संभाल लिया।

राम मंदिर और 370 हमारा वादा था, जिसे हमने पूरा किया – गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण के लिए एक जून को मतदान होना है। चुनाव प्रचार के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीटीवी के एडिटर इन चीफ संजय पुगलिया के साथ खास बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने लोकसभा चुनाव, राम मंदिर, जम्मू–कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) सहित कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 370 हटाने के बाद कश्मीर के लोग मुख्यधारा के साथ जुड़ रहे हैं, इसका कारण है कि जब आर्टिकल 370 थी तब भी वो लोग वोट नहीं डाल रहे थे। लेकिन, इस बार जमात–ए–इस्लामी और हुर्रियत के प्रमुख लोगों तक ने भी वोटिंग की और ये भी कहा कि

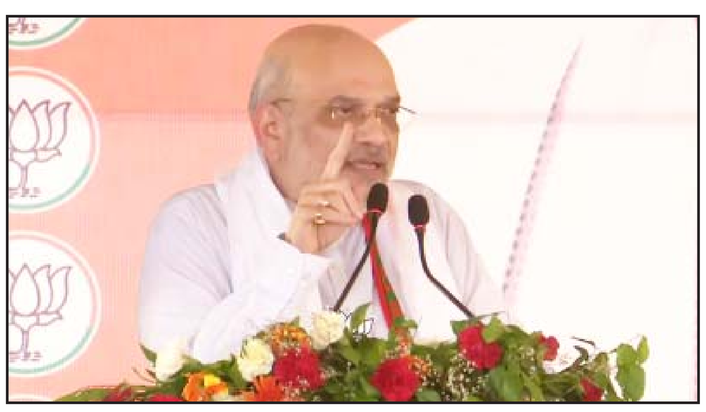

हम भारतीय संविधान के तहत वोटिंग कर रहे हैं। अब जम्मू–कश्मीर भारतीय संविधान के तहत ही चल रहा है। मैं मानता हूं कि पीएम मोदी की जम्मू–कश्मीर पॉलिसी सफल रही। इतने सालों की तुष्टीकरण की राजनीति को संभालने का प्रयास किया गया। पीएम मोदी ने आर्टिकल 370 और 35ए को समाप्त किया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि घाटी में स्पष्ट संदेश दिया गया है कि आप लोग भी भारत का हिस्सा हैं। पूरे भारत में घाटी के लोगों का बराबर अधिकार है और बाकी लोगों का भी घाटी में उतना ही अधिकार है। इसके कारण वहां लोकतंत्र की नींव बड़ी मजबूत हुई है। केवल लोकसभा चुनाव नहीं बल्कि पंचायत चुनाव में 90 फीसदी तक वोटिंग हुई। इस बार के लोकसभा चुनाव में 90 के दशक के बाद पहली बार बाकी हिस्सों जैसी ही वोटिंग हुई है, जो बहुत बड़ी सफलता है और हर किसी को इसका स्वागत करना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि हम 1950 से आर्टिकल 370 को हटाने की बात कह रहे हैं।

लायंस क्लब क्षितिज के नए सत्र की कमान संभालेगे लायन प्रदीप सिंह

ब्यूरो चीफ

जौनपुर। लायंस क्लब क्षितिज की बैठक नगर के एक होटल में अध्यक्ष धर्मेंद्र सेठ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें लायन प्रदीप सिंह का नाम अध्यक्ष पद के लिए लायन अतुल सिंह ने प्रस्तावित किया। जिस पर सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से अपनी सहमति प्रदान की तत्पश्चात लायन प्रदीप सिंह ने अपनी स्वीकृति प्रदान किया एवं सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सभी से वर्ष भर सहयोग के लिए अपील किया तत्पश्चात अपने सहयोगी के रूप में लायन अजीत सोनकर को सचिव एवं लायन दीपक साहू को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष लायन शशांक सिंह रानू ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा की नई टीम नई सोच के साथ सबको लेकर आगे बढ़ेगी जिससे संस्था का नाम व सम्मान और बढ़ेगा। चुनाव अधिकारी पूर्व अध्यक्ष विष्णु सहाय एवं दिलीप सिंह ने नई टीम को बधाई दिया। इस अवसर पर विनय बरौतिया, संजय बैंकर ,सर्वेश जायसवाल, हसन अब्बास, सुनील कनौजिया,

डॉ सतीश मौर्य, दिलीप जायसवाल, देवेंद्र सिंह पिंकू, संजय गुप्ता, कौशल त्रिपाठी, राजीव गुप्ता, संजय जायसवाल, राम अचल मौर्य इत्यादि लोगों ने नई टीम का संपूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन सह सचिव हाफिज शाह ने किया एवं अंत में आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाजपा इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करती है - राजनाथ सिंह

बिहार, एजेंसी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को काराकाट से एनडीए

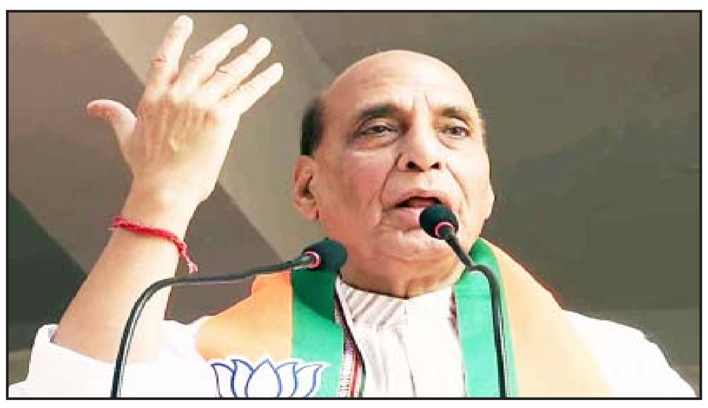

समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजद की हवा निकलती जा रही है। ऐसे भी लालटेन एक कमरे से ज्यादा क्षेत्र में रोशनी नहीं दे सकता है। आज दुनिया में सबसे कम मंहगाई दर है तो वह भारत में है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत में महंगाई दर अगर 2.91 प्रतिशत है तो पाकिस्तान में 48 प्रतिशत, फ्रांस में 19 प्रतिशत, अमेरिका में 7.7 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थिति तो ऐसी हो गई है कि डायनासोर की तरह दस साल में पार्टी लुप्त हो जाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने कभी भी आंखों में धूल झोंकने की राजनीति नहीं की है। भाजपा जो कहती है, वह करती है। आज जम्मू–कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर दिया गया। अयोध्या में प्रभु श्री राम आज झोपड़ी से भव्य मंदिर में पहुंच गए। कल तक लोग तारीख नहीं बताने को लेकर ताना मारते थे, आज वे चुप हो गए।

उज्जैन में 15 और 16 जून को शिप्रा परिक्रमा कार्यक्रम का आयोजन – सीएम मोहन यादव

भोपाल, एजेसी। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में 15 और 16 जून को विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर यात्रा निकाली जाएगी और शिप्रा नदी को चुनरी भी अर्पित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में आगामी 15 और 16 जून को नवमी और दशमी पर शिप्रा परिक्रमा के कार्यक्रम होंगे। रामघाट से यात्रा प्रारंभ होगी जो दत्त खाड़ा, त्रिवेणी, गढ़ कालिका और गोमती कुंड जैसे पवित्र स्थलों से निकलेगी। आम जन द्वारा शिप्रा नदी को चुनरी अर्पित की जाएगी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम जन शामिल होते हैं। इस नाते यह सुनिश्चित किया जाए कि यह कार्यक्रम पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हो। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मंत्रालय में हुई बैठक

में शिप्रा परिक्रमा गंगा दशमी कार्यक्रम की जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री ने 16 जून की शाम रामघाट, दत्त अखाड़ा क्षेत्र में होने वाले सांस्कृतिक आयोजन के स्वरूप की जानकारी ली। यह कार्यक्रम महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की तरफ से होगा। इस अवसर पर शिप्रा नदी के महत्व और उसके सांस्कृतिक वैभव की जानकारी देने वाली विशेष पुस्तिका का लोकार्पण भी होगा। सदानीरा केंद्रित ऑडियो वीडियो सीडी का लोकार्पण भी किया जाएगा। शिप्रा परिक्रमा गंगा दशमी कार्यक्रम के गरिमामय आयोजन के साथ ही प्रदेश की अन्य प्रमुख नदियों जैसे नर्मदा, चंबल, ताप्ती, सोन, सिंध और बेनगंगा आदि के तट पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और जलक्रीड़ा गतिविधियां होगी। इसके साथ ही नदियों के किनारे स्थित देव स्थलों की सफाई और मंदिर परिसर की स्वच्छता के कार्य किए जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते बीस वर्ष से शिप्रा परिक्रमा गंगा दशमी का आयोजन हो रहा है।

गीडा के तर्ज पर धुरियापार में नया औद्योगिक क्षेत्र होगा विकसित – सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है देश में बीते 10 साल में व्यापक बदलाव हुए हैं। सरकारें पहले भी थीं, पैसा पहले भी था, देश और प्रदेश भी वही था, मगर तब विकास की सोच नहीं थी, केवल अपने परिवार के विकास की सोच ही हावी थी। मगर, हमारे अंदर जनता की खुशहाली के लिए जूझने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि गीडा की तर्ज पर धुरियापार में भी नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिसके बाद पूरी दुनिया यहां नौकरी मांगने आएगी। योगी आदित्यनाथ बुधवार को कौड़ीराम में गोरखपुर लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी कमलेश पासवान के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

ये गर्मी बताती है कि बरसात अच्छी होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो पसीना आप कमल फूल के लिए बहा रहे हैं, इस कर्ज को यहां का विकास करके चुकाया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार अंतिम चरण में आ चुका है। शुरू ही से पूरे देश में उत्साह देखने को मिला है। शुरू में मौसम ठीक था, मगर ये गर्मी बताती है कि बरसात अच्छी होगी और वोट भी अच्छे पड़ने वाले हैं। आज पूरे देश में एक ही नारा गूंज रहा है, कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। इस नारे से सपा और कांग्रेस को चक्कर आने लगा है, क्योंकि ये 400 सीटों पर चुनाव भी नहीं लड़ रहे।

हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है

सीएम योगी ने कहा कि आज एक नई अयोध्या बन चुकी है, ऐसे लगता है जैसे प्रभु श्रीराम साक्षात विराजमान होकर हमपर अपनी कृपा बरसा रहे हैं। अयोध्या में रामलला विराजमान हो चुके हैं, मगर उससे पहले ही वहां के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया। विश्रामालयों का नाम निषाद राज के नाम पर और माता शबरी के नाम पर भोजनालयों का नामकरण किया गया। हम सौभाग्यशाली पीढ़ी हैं। हमने रामलला को विराजमान होते देखा है। आप कह सकते हैं कि हमारे कारण ये काम हुआ है। जिसने भी कमल के फूल पर वोट दिया है वह कह सकता है कि भगवान श्रीराम हमारे कारण विराजमान हुए हैं। यह इस लोक और परलोक को सुधारने वाला कार्य है।

आज सीमाओं पर घुसपैठ नहीं होती

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 साल में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। हमने दुनिया में नई पहचान बनाई है। दुनिया में कहीं संकट आता है तो वह भारत की ओर देखती है। आज सीमाओं पर घुसपैठ नहीं होती। कांग्रेस और सपा राज में आतंकी विस्फोट होते थे, आज सब समाप्त हो चुका है। एक पटाखा भी फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। उसे पता है कि उसका नाम आ गया तो उसका काम तमाम होना तय है।

अब दुनिया यहां नौकरी मांगने आएगी

सीएम योगी ने कहा कि आज कौड़ीराम से गोरखपुर 10 मिनट की दूरी पर है। वाराणसी दो घंटे की दूरी पर है। कनेक्टिविटी अच्छी हो चुकी है। कांग्रेस के समय में धुरियापार में चीनी मिल लगी थी, जो एक दिन भी नहीं चली आज वहां कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट लग या है। अभी तो हमारा प्रयास है कि हम गीडा के तर्ज पर एक नया क्षेत्र वहां विकसित करने जा रहे हैं। एक सिमेंट फैक्ट्री भी लगाने जा रहे हैं। गोरखपुर के दक्षिणांचल के लोगों ने 100 साल पहले सिंगापुर, लाओस और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में जाकर काम किया। अब आपको बाहर नहीं जाना होगा, अब दुनिया यहां नौकरी मांगने आएगी।

कांग्रेस और सपा के शासनकाल में गरीब भूख से मरता था

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कौड़ीराम का क्या हाल था, हर कोई जानता है। आज यहां बाईपास बन चुका है। एक तरफ विकास, सुरक्षा और सम्मान पर काम हुआ है, तो वहीं कांग्रेस और सपा के शासनकाल में गरीब भूख से मरता था, बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे।

मोदी सरकार में बढ़ी महंगाई और गरीबी – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने कहा कि 10 साल में बीजेपी की हर बात झूठी निकली, हर वादा झूठा निकला। जब किसान देखता है 10 साल में उसको लाभ नहीं दे पाई सरकार, हमारे किसानों को संकट में डाल दिया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक हुआ नहीं है, जानबूझकर पेपर लीक कराया है। नौजवानों को कहना चाहता हूं इन्होंने रिकॉर्ड बनाया नौकरी ना देने का तो वहीं इंडिया गठबंधन रिकॉर्ड बनाएगा नौकरी देने का। अखिलेश ने ऐलान करते हुए कहा कि अग्निवीर व्यवस्था खत्म होगी, फौज की नौकरियां बढ़ा कर के और तीस लाख नौकरियों को भर के अपने नौजवानों को नौकरी देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि अब जब हम लोग दिल्ली की सरकार बनाने जा रहे, तो माताओं बहनों को कह कर जा रहे हैं कि अब सरकार बनेगी तो माताओं बहनों को 1 लाख रुपए देने का काम करेंगे। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली की सरकार 10 साल की है और उत्तर प्रदेश की सरकार 7 साल से है, किसी गरीब के जीवन में कोई बदलाव आया हो तो बता दो? ना केवल गरीबी बढाई, महंगाई भी इतनी बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि आपने अखबार में पढ़ लिया होगा, जिन्होंने वैक्सीन लगवाई है उन्हें दिल की बीमारी हो सकती है, वैक्सीन वाले कहते हैं।

भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, मुझे अपार प्यार और उत्साह मिलता है। लोगों का मुझ पर पूर्ण विश्वास इस बात का प्रमाण है कि तीसरी बार मोदी सरकार बनना तय है! देश को सचमुच मजबूत मोदी सरकार मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। जो विकास भारत के लोगों ने कई दशकों में नहीं देखा वह एक दशक में ही दिखाई देने लगा। मोदी ने कहा कि 2014 में हम दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थे। लेकिन आज हम दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। 2014 से पहले, स्वच्छता कवरेज 40: था, लेकिन आज, यह 100: है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले 5 वर्ष भारत के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों वाले होंगे। अगले 5 वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अगले 5 वर्षों में भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में मजबूती से उभरेगा। अगले 5 साल भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह से बदलने वाले होंगे। ओडिशा और इसके लोगों को जल्द ही हमारे देश के इस विकास से अत्यधिक लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि मोदी की एक और गारंटी है। ये गारंटी 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की है। इससे भी ओडिशा की लाखों बहनों को सीधा लाभ होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आपका बिजली बिल जीरो करेगी ही, लेकिन साथ में आप बिजली बेचकर कमाई भी करेंगे। इस योजना का नाम है – पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना। आपकी छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए मोदी सरकार 75 हजार रुपये से ज्यादा आपको देने वाली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जो वनधन योजना चलाई है। यहां भाजपा सरकार बनते ही उसको भी ठीक से लागू किया जाएगा। मोदी सरकार ने आदिवासी कल्याण बजट को पहले की तुलना में 5 गुना बढ़ा दिया है। आपका सेवक मोदी आदिवासी समुदाय का पूरा ख्याल रखता है। हमने रुपये निर्धारित किये हैं। पीएम–जनमन योजना के लिए 24,000 करोड़ रुपये, एक पहल जिसका उद्देश्य पीवीटीजी का कल्याण सुनिश्चित करना है। विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि ठश्रक पर आपने 25 साल भरोसा किया, लेकिन ठश्रक ने हर कदम पर आपके भरोसे को तोड़ा है। यही ठश्रक सरकार आदिवासी बंधुओं की जमीन हड़पने के लिए कानून लेकर आई थी। भाजपा के दबाव में उसे वो कानून वापस लेना पड़ा। अब इस बार अगर इन्हें मौका मिला, तो ये आदिवासियों की जमीन हड़पने का अवसर छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि ठश्रक ने ओडिशा का लुटा हुआ पैसा विदेशों तक जा रहा है। लूट का माल ये कहीं भी छिपा लें, मोदी पाई–पाई निकालेगा। उन्होंने कहा कि ठश्रक सरकार ने सबसे धोखा तो महाप्रभु

आपकी खनिज संपदा को भी लुटा है। मोदी ने डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड बनाकर हजारों करोड़ रुपये ओडिशा को दिए। ठश्रक में इसमें भी घोटाला कर दिया। लोग कह रहे हैं कि के श्री रत्न भंडार को लेकर किया है। आज ओडिशा ही नहीं, पूरा देश जानना चाहता है कि रत्न भंडार की चाबी गई कहां? जो जांच हुई थी।

संपादकीय

राष्ट्रीय परीक्षण

क्रिकेट और राजनीति, पंडितों का मानना है, वे दो चुम्बक हैं जो आम भारतीयों का ध्यान आकर्षित करते हैं। इस तर्क के अनुसार, मई और अप्रैल, आम आदमी के लिए बहुत ही कठिन महीने रहे होंगे, क्योंकि आम चुनाव और इंडियन प्रीमियर लीग उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए होड़ में लगे रहे होंगे। इसलिए यह मान लेना सुरक्षित होगा कि चाय के प्याले में एक छोटा सा तूफान – एक फुटबॉल मैदान के आकार का – शायद उस ध्यान और टिप्पणी से वंचित रह गया होगा जिसके वह हकदार है। पिछले महीने, मोहम्मडन स्पोर्टिंग, जो कभी कलकत्ता फुटबॉल के शबिग थ्रीश का हिस्सा हुआ करता था, को देश की फुटबॉल लीग प्रणाली के दूसरे स्तर, आई–लीग का चौंपियन घोषित किया गया। इस उत्साहजनक जीत ने अब इंडियन सुपर लीग के दरवाजे खोल दिए हैं, जो अब आई–लीग को पीछे छोड़ चुका है, उस क्लब के लिए जो कुछ समय से छाया में संघर्ष कर रहा था। मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने ट्रॉफी उठाई, भले ही वह कलकत्ता के साल्ट लेक स्टेडियम में अपना अंतिम मैच हार गया हो। हालांकि, जिस बात ने ऊपर उल्लेखित तूफान को जन्म दिया – जैसा कि पता चला कि संदिग्ध सत्यता वाले फुटेज के आधार पर – वह स्टैंड में फिलिस्तीनी ध्वज का स्पष्ट दर्शन था और कम से कम एक समाचार पत्र ने श्घटनाश का उल्लेख किया था। समाचार रिपोर्ट को संपादित किए जाने के बाद मामला शांत हो गया। लेकिन अक्सर होने वाली संदिग्ध – संदिग्ध – जानकारी का सोशल मीडिया पर कोई न कोई प्रभाव होता है। इसलिए रेडिट चर्चा मंच पर बातचीत जारी रही। रेडिट पर प्रतिभागियों की एक बड़ी संख्या द्वारा की गई टिप्पणियाँ – शत्रुतापूर्ण, विषाक्त – फिलिस्तीनी ध्वज और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के समर्थकों को मुस्लिम पहचान के साथ जोड़कर प्रकाश डालती हैं। आम सहमति यह थी कि श्ये लोगश – संभवतः मुस्लिम – भारत की सहायता के लिए नहीं आएंगे यदि राष्ट्र को कभी भी ऐसी आपदा का सामना करना पड़े जैसा कि अभी फिलिस्तीन का सामना करना पड़ रहा है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के साथ मुस्लिम पहचान और उससे जुड़ी चिंताओं का यह निर्बाध जुड़ाव एक तरह की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करता है। सत्तर और अस्सी के दशक में फुटबॉल के श्मक्काश – कलकत्ता – में पले–बढ़े लोगों को शायद याद होगा कि घोटी कबीले में ईस्ट बंगाल का समर्थक या बंगाली परिवार में मोहन बागान का प्रशंसक कभी–कभार मिल जाता था, लेकिन शहर के हिंदू मतदाताओं, उच्च जाति या निम्न वर्ग के बीच मोहम्मडन स्पोर्टिंग के लिए समर्थन नगण्य था, अगर न के बराबर था। यह इस तथ्य के बावजूद है कि काले और सफेद रंग की टीम ने 1960 के दशक से ही अपने दल में गैर–मुस्लिम खिलाड़ियों को शामिल करना शुरू कर दिया था। विडंबना यह है कि साम्यवादी बंगाल में मोहम्मडन स्पोर्टिंग और उसके दो अन्य शहिंदूश प्रतिद्वंद्वियों से जुड़े खेल मुकाबलों पर पड़ोस में होने वाली चर्चाओं में अक्सर मोहम्मडन स्पोर्टिंग के रैंक और फाइल में लम्पट लक्षणों के बारे में अपमानजनक टिप्पणियाँ होती थीं, जो वर्ग और धार्मिक पूर्वाग्रह दोनों का प्रतीक था। खेल इतिहासकारों और विद्वानों ने इस बात पर गौर किया है कि इस अन्यता को मोहम्मडन स्पोर्टिंग के जन्म और प्रसिद्धि में वृद्धि के साथ जुड़ी हुई विक्षुब्ध, उथल–पुथल भरी, सांप्रदायिक परिस्थितियों से अलग नहीं किया जा सकता। जैसा कि रोनोजॉय सेन ने अपनी पुस्तक नेशन एट प्ले में बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में लिखा है, ष्मोहम्मडन स्पोर्टिंग को देखने के लिए उमड़ी भीड़ में युवा ख्मुस्लिम, पुरुषों के साथ–साथ वृद्ध मौलवी और मौलाना भी शामिल थे। एक जन मुहम्मद कभी–कभी अल्लाह–उ–अकबर चिल्लाता था, जिससे मोहम्मडन के समर्थकों में जोश भर जाता था।ष 1935 में एक मैच में मोहन बागान को हराने के बाद, सेन के पाठ को दूसरे शब्दों में कहें तो कलकत्ता के मोहम्मडन ने आतिशबाजी जलाकर, कबूतर उड़ाकर और गुब्बारे उड़ाकर खुशियाँ मनाईं। यह सांप्रदायिक एकजुटता निस्संदेह बंगाल और देश की राजनीति में गहराते सांप्रदायिक मतभेदों की प्रतिक्रिया थी, क्योंकि भारत विभाजन की ओर बढ़ रहा था। दिलचस्प बात यह है कि पहचान ने मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के अनुयायियों को आकार दिया – बिखरा दिया – लेकिन मोहम्मडन स्पोर्टिंग पर इसका प्रभाव अलग था। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस मामले में पहचान ने तत्कालीन मुस्लिम समाज को, जो किसी भी तरह से एक अखंड इकाई नहीं था, एक फुटबॉल क्लब के इर्द–गिर्द एकजुट होने में मदद की, जिससे समुदाय में निहित दोष रेखाओं को पाटा जा सका। यहां तक घ्धकि यह तर्क देने का भी मामला है, जैसा कि सेन ने अपनी पुस्तक में किया है, कि भारतीय फुटबॉल का इतिहास लेखन ध्रुवीकरण भावनाओं से अछूता नहीं रहा है। उदाहरण के लिए, 1911 में मोहन बागान द्वारा ष्थ। शील्ड को उठाना राष्ट्रवादी जागरण में एक शानदार तमाशा के रूप में उल्लेख किया जाना उचित है। फिर भी, कलकत्ता लीग में मोहम्मडन स्पोर्टिंग का अभूतपूर्व प्रदर्शन – इसने तीस के दशक में अपने महानगरीय, यद्यपि मुस्लिम, खिलाड़ियों के साथ लगातार पांच मौकों पर प्रतियोगिता जीती – एक टूर्नामेंट जो यकीनन ष्थ। शील्ड से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी था, राष्ट्रवादी परियोजना में एक फुटनोट बना हुआ है। फिर भी, कुछ साल पहले यह एक अलग खेल था। सेन लिखते हैं कि 1911 में मोहन बागान की सफलता पर मुस्लिम समुदाय की खुशी और उत्साह का दस्तावेजीकरण मुस्लिम साप्ताहिक पत्रिका द मुसलमान ने किया थारू "मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के सदस्य अपने हिंदू भाइयों की जीत पर खुशी से पागल हो गए थे और जमीन पर लोटने लगे थे। इससे यही पता चलता है।

राजनीतिक विसंगतियों से बचे नई लोकसभा

ललित

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी–अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा–आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटते–बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है– समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन–केन–प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़–चढ़ कर देखी है। नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है। यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल–पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म–किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत–विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं। लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा– ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ–साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ–साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो। लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकतें है अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए। लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों–विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है।

मालीवाल से राज्यसभा सीट छोड़ने का आग्रह

आदित्य

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार (परिणामस्वरूप उनकी गिरफ्तारी) से जुड़ा सुर्खियाँ बटोरने वाला घृणित प्रकरण राजधानी में चर्चा का एक गर्म विषय बन गया है, खासकर जब से यह महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव के बीच में हुआ। यह सर्वविदित है कि सुश्री मालीवाल पार्टी की शुरुआत से ही श्री केजरीवाल के साथ जुड़ी हुई हैं, लेकिन जो बात बाहरी दुनिया को नहीं पता है वह यह है कि उनके मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता और दिल्ली की मंत्री आतिशी के साथ तनावपूर्ण संबंध हैं। आप का पुराना हाथ भी. ऐसा कहा जाता है कि सुश्री मालीवाल कुछ समय से अपग्रेड के लिए दबाव डाल रही थीं और उन्हें चांदनी चौक से लोकसभा चुनाव में उतारने पर आम सहमति बन रही थी। इसके बजाय उन्हें राज्यसभा में शामिल किया गया, जबकि चांदनी चौक को बाद में दोनों पार्टियों के बीच सीट–बंटवारे की व्यवस्था के हिस्से के रूप में कांग्रेस को पेश किया गया था। सुश्री मालीवाल जब फरवरी में अमेरिका के लिए रवाना हुईं तो उन्होंने अपनी कॉपी पर दाग लगा दिया और श्री केजरीवाल के रिहा होने के बाद ही वापस आईं। आप नेता आश्वस्त हैं कि श्री केजरीवाल की कैद के दौरान सुनीता और आतिशी को प्रमुखता दिए जाने के कारण सुश्री मालीवाल पहले नहीं लौटीं। इसी पृष्ठभूमि में उन्हें अपनी राज्यसभा सीट छोड़ने के लिए कहा गया था। सुश्री मालीवाल ने इस प्रस्ताव को दयालुता से नहीं लिया, खासकर इसलिए क्योंकि ऐसा माना जाता है कि सुनीता केजरीवाल ने ही इस पर विचार किया था। और बाकी, जैसा वे कहते हैं, इतिहास है। सभी खातों से, भारतीय जनता पार्टी की नेता मेनका गांधी को इन चुनावों में सुल्तानपुर लोकसभा क्षेत्र को बरकरार रखने के अपने प्रयास में खुद पर निर्भर रहना पड़ा। 2019 के चुनाव में पीलीभीत सीट जीतने वाले उनके बेटे वरुण गांधी को टिकट देने से इनकार करने से भाजपा कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया कि मां–बेटे की जोड़ी भाजपा नेतृत्व से अलग हो गई है। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से अभियान के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। इस तथ्य को कि पार्टी के किसी भी वरिष्ठ नेता ने मेनका के निर्वाचन क्षेत्र में किसी भी चुनावी रैली को संबोधित नहीं किया, इसे इस बात की पुष्टि के रूप में लिया गया कि वह अब पार्टी नेताओं की अच्छी किताबों में नहीं हैं। वास्तव में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों ने पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार किया लेकिन सुल्तानपुर नहीं गए। यदि मेनका फिर से अपनी सीट जीतती हैं, तो यह पूरी तरह से उनके अथक प्रयासों और उनकी व्यक्तिगत लोकप्रियता के कारण होगा क्योंकि उन्होंने स्थानीय लोगों की शिकायतों के प्रति उत्तरदायी होकर उनकी सद्भावना अर्जित की है। हालांकि दोनों पार्टियां चुनावी मैदान में जोर–आजमाइश कर रही हैं, लेकिन पिछले कई दिनों से कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस एक–दूसरे से बातचीत कर रहे हैं। ये चर्चाएं भारत गठबंधन के भविष्य के विषय पर नहीं बल्कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बारे में दिए गए हालिया विवादास्पद बयानों पर हैं। जाने–माने ममता–विरोधी, श्री चौधरी ने उनकी तुलना बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की थी और कहा था कि उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। नाराज कांग्रेस ने पहले ही इन टिप्पणियों के साथ–साथ कोलकाता में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पोस्टरों को विरूपित करने के लिए श्री चौधरी की खिंचाई की है। जाहिर तौर पर, तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में कांग्रेस नेताओं को श्री चौधरी के बारे में जानकारी दे रही है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने श्री चौधरी की संभावनाओं के बारे में पूछताछ करने के लिए हाल ही में एक तृणमूल नेता को फोन किया।

खान मार्केट वैश्विक हो गया

विनोद

बेकरी और किताबों की दुकानें – जो कुछ बची हैं – स्पष्ट रूप से भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम ने वर्षों से अपने राजनीतिक विरोधियों को तथाकथित खान मार्केट गैंग के रूप में चित्रित किया है, जो लुटियंस दिल्ली के लोकप्रिय केंद्र का संदर्भ है, जहां लेखक और नौकरशाह, राजनेता और छात्र लंबे समय से कबाब, क्विच और अपराध उपन्यासों के लिए आते रहे हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां अभिजात वर्ग की पृष्ठभूमि से आने वाले वामपंथी–उदारवादी भारतीय सहज महसूस करते हैं। लेकिन टीम मोदी के लिए, यह साइट गुप्त रूप से दक्षिणपंथ के उदय को कमजोर करने के लिए काम कर रहे एक गिरोह के भयावह अर्थ रखती है। अब, मोदी के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने – शायद अपने पद को देखते हुए – उस कहानी को वैश्विक स्तर पर ले लिया है। हाल ही में एक पॉडकास्ट होस्ट के साथ साक्षात्कार में, जयशंकर से पश्चिमी मीडिया और मोदी सरकार के कार्यों, जैसे कि विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी, की आलोचना के बारे में पूछा गया था। विदेश मंत्री ने जवाब में एक ऐसी तस्वीर पेश की जिसे उन्होंने ष्अंतरराष्ट्रीय खान मार्केट गिरोहष बताया, जिसमें तर्क दिया गया कि पश्चिमी मीडिया के कुछ हिस्से, विश्वविद्यालयों, थिंक टैंक और अन्य कुटिल षड्यंत्रकारियों के एक समूह के साथ मिलकर भारत की चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। जयशंकर के अनुसार, पश्चिमी मीडिया आउटलेट चुनावों में भारतीयों के मतदान को प्रभावित करने के लिए कुछ कहानियों, दृष्टिकोणों और आख्यानों को ष्बढ़ा–चढ़ाकर पेशष करते हैं। ष्वास्तव में, पिछले चुनावों में, शायद इस चुनाव में भी, उन्होंने वास्तव में पार्टियों का खुलेआम समर्थन किया है, और नेताओं का खुलेआम समर्थन किया है, और खुलेआम, आप जानते हैं, कहा है कि यह पार्टी या यह नेता भारत के लिए बुरा है। उन्होंने यह भी कहा कि थिंक टैंक द्वारा भारत में लोकतंत्र, मानवाधिकारों या प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति पर जारी की जाने वाली रैंकिंग अक्सर देश का मनोबल गिराने के लिए होती है। जयशंकर के शब्दों का निहितार्थ स्पष्ट थारू पश्चिमी प्रेस और उसके सहयोगी भारतीय लोगों को यह समझाने की कोशिश करके उनकी इच्छा को कमजोर कर रहे हैं कि मोदी सरकार उनके लिए बुरी है। यह सब बहुत खतरनाक लगता है – लगभग 2014 जितना ही खतरनाक। उस चुनाव से पहले, और वास्तव में उस वोट से पहले के वर्षों में, पश्चिमी प्रेस और प्रभावशाली टिप्पणीकारों ने तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली मनमोहन सिंह सरकार के तहत भारत के बारे में विनाश और निराशा की तस्वीर पेश की थी। उस दौर के कथित घोटाले सुर्खियों में रहे और, जैसे–जैसे भारत की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाती गई, वैश्विक मीडिया में प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के ब्रिक्स समूह में इसके स्थान को लेकर सवाल उठाए गए। फिर, जैसे–जैसे वास्तविक मतदान करीब आया, पश्चिम के कुछ टिप्पणीकारों ने खुले तौर पर मोदी को, जो उस समय प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे, भारत की परेशानियों का जवाब बताया। मोदी के चुने जाने के बाद, प्रशंसात्मक, उम्मीद से भरे लेखों और ऑप–एड्स की झड़ी उन्हीं वैश्विक अखबारों में छा गई, जो आज, संभवतः, मोदी की आलोचना के कारण "अंतर्राष्ट्रीय खान मार्केट गिरोह" का हिस्सा बन गए हैं। राजनेताओं की याददाश्त आमतौर पर लंबी होती है, लेकिन जयशंकर लंबे समय से राजनेता नहीं हैं – इसलिए उन्हें यह सोचने के लिए माफ किया जा सकता है कि मोदी सरकार वैश्विक प्रेस की जांच और कठिन सवालों का सामना करने वाली पहली भारतीय सरकार है। लेकिन वह – और भारतीय सरकार – दोनों ही तरह से नहीं चल सकते।

चुनावी हलचल के बीच पोल के पूर्वानुमान जोखिम भरे

ललित

राजनीतिक अभियान के नेपथ्य में रहने वाले लड़के से राजनेता बने चुनाव विश्लेषक बनने के इच्छुक प्रशांत किशोर को आखिरकार पिछले सप्ताह करण थापर के स्टूडियो में उपस्थित होना पड़ा। किशोर को पता होना चाहिए था कि थापर अपना होमवर्क पूरी तरह से करते हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी भविष्यवाणी पर विश्वास क्यों किया जाना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी लोकसभा में 300 से अधिक सीटें हासिल करेगी, जबकि उनकी पहले की कुछ भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं, किशोर ने अपनी ओर से ऐसी किसी भी गलत भविष्यवाणी से इनकार किया। इसके बाद उन्होंने थापर से अपने आरोप को साबित करने के लिए एक वीडियो क्लिप दिखाने की मांग की। थापर के पास अखबार की क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट थे। किशोर की मांग विफल हो गई और भाजपा की जीत की उनकी भविष्यवाणी की पक्षपातपूर्ण और पक्षपातपूर्ण प्रकृति उजागर हो गई। किशोर को अर्थशास्त्री से चुनाव विशेषज्ञ बने सुरजीत भल्ला से सबक लेना चाहिए था। भल्ला तीन दशकों से अधिक समय से इस व्यवसाय में हैं। उन्होंने चुनाव नतीजों पर कई भविष्यवाणियां की हैं। वह कुछ में सही थे और कुछ में गलत थे। तो, भल्ला के पास बचाव की एक सरल रेखा है। वह प्रणय रॉय सहित कई भारतीय चुनाव विशेषज्ञों के गुरु, प्रसिद्ध ब्रिटिश चुनाव विश्लेषक डेविड बटलर को उद्धृत करते हैं, जिनका स्पष्ट तौर पर मानना था कि चुनाव विशेषज्ञों को हमेशा पूर्वानुमान लगाना चाहिए क्योंकि कभी–कभी वे इसे सही पाते हैं और कभी–कभी वे सही नहीं होते हैं। खेल के मैदान की प्रकृति को देखते हुए, विशेष रूप से संसदीय प्रणाली में जहां वोट प्रतिशत को सीटों की संख्या में परिवर्तित करना हमेशा जोखिम भरा होता है, और भारत जैसे विविध मतदाताओं में अनिश्चितता का तत्व होता है, चुनावी परिणाम का पूर्वानुमान लगाना एक जोखिम भरा व्यवसाय है। यहां तक कि सबसे अच्छे चुनाव विश्लेषकों का ट्रैक रिकॉर्ड भी सफलताओं और असफलताओं से भरा हुआ है। जो बात उन्हें व्यवसाय में बनाए रखती है वह यह है कि कोई न कोई व्यक्ति पूर्वानुमान से खुश होता है। यह स्वीकार करने के बजाय कि कुछ मौकों पर उनसे गलती हुई, किशोर ने जोर देकर कहा कि उनसे कभी गलती नहीं हुई। हो सकता है कि उसने व्यवसाय में बने रहने का दावा करने के लिए मजबूर महसूस किया हो। थापर ने उसे नाश्ता कराया। चुनाव की भविष्यवाणी काफी समय से होती आ रही है। भारत में इसकी शुरुआत टेलीविजन के प्रसार के साथ हुई। प्रणय रॉय इससे व्यवसाय शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। उनकी मूल टीम में अर्थशास्त्री और सांख्यिकीविद् शामिल थे जो नमूना सर्वेक्षण करने, संख्या–संकलन करने, अर्थमितीय मॉडल बनाने और पूर्वानुमान बनाने में अच्छे थे। रॉय स्वयं एक अर्थशास्त्री हैं और उनकी मूल टीम में भल्ला और अशोक लाहिड़ी शामिल थे। टीवी चुनाव पूर्वानुमानों ने कई व्यक्तियों को प्रमुखता दी, जिन्होंने अपना खुद का राजनीतिक करियर बनाया, जैसे जी. वी.एल. नरसिम्हा राव और योगेन्द्र यादव. सार्वजनिक हित, जिज्ञासा नहीं, और भविष्य जानने की सामान्य मानव प्रकृति को देखते हुए, चुनाव के पूर्वानुमान एक बड़े दर्शक वर्ग को आकर्षित करते हैं और मीडिया के लिए वे पैसा कमाने वाले बन गए हैं। हर कोई और उसकी चाची खेल में शामिल हो गए हैं। कोई भी अपना पसंदीदा पूर्वानुमान चुन सकता है और सो सकता है। बड़े पैसे ने मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, के तरीके को बदल दिया है, न केवल क्रिकेट और अपराध बल्कि केंद्रीय बजट और चुनावों की भी रिपोर्ट करते हैं। यह सब ध्यान आकर्षित करने और टीआरपी तथा दर्शकों को टीवी चौनल पलटने से रोकने के बारे में है। केंद्रीय बजट का लाइव कवरेज भी लगभग उसी समय शुरू हुआ जब 1980 के दशक में टेलीविजन पर चुनाव पूर्वानुमान शुरू हुआ। शहरी मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग के दर्शक घरों और कंपनियों पर करों और नीतियों के प्रभाव को जानने के लिए बजट के दिन टीवी से चिपके रहे, टीवी कवरेज ने विज्ञापन राजस्व को आकर्षित करना शुरू कर दिया। बजट प्रस्तुति का समय शाम से सुबह में बदलने के बाद भी केंद्रीय बजट का टेलीविजन कवरेज जारी रखा गया है, शाम को बजट पर मनोरंजक चर्चाएं प्रसारित की गईं। मीडिया में विज्ञापन ही सब कुछ संचालित करता है। इसलिए आश्चर्य की बात नहीं है कि चुनाव कवरेज गंभीर मुद्दों के बारे में कम और मनोरंजन के बारे में अधिक हो रहा है। चर्चाओं को तर्क बनना होगा। सभी पक्षों को एक–दूसरे पर चिल्लाना होता है और यदि चिल्लाना बहुत अधिक हो जाता है, तो हास्य को पूरक के रूप में डाला जाता है। मनोरंजन के रूप में चुनावों ने राजनीतिक पत्रकारों को अलग–अलग दिशाओं में ले जाया है, राजनीति को व्यंजन और रेस्तरां में घूमने से लेकर राजनीति को सिनेमा और गीत के साथ मिलाने तक। इस परिवेश और मेलजोल में सर्वेक्षणकर्ता और चुनाव विश्लेषक प्रवेश कर जाते हैं। व्यवसाय में बने रहने के लिए उन्हें भी मनोरंजन करना होगा। इस वर्ष के चुनाव प्रचार में राजनीति के तुच्छीकरण को चरम स्तर पर ले जाया गया है। चुनावी पूर्वानुमान भी राजनीति के साथ जुड़ गया है और कई विश्लेषक और पत्रकार खुलेआम पक्षपातपूर्ण हो गए हैं। कुछ सर्वेक्षणकर्ताओं और चुनाव विशेषज्ञों की स्पष्ट पक्षपातीता ने अधिकांश राय और एग्जिट पोल को निरर्थक बना दिया है। फिर भी, शो चलता रहता है. जब तक दर्शक मौजूद हैं, पैसा कमाया जा सकता है। अधिकांश लोग इन सर्वेक्षणों को बिल्कुल वैसे ही देखते हैं जैसे वे किसी ज्योतिषी की भविष्यवाणियों को देखते हैं। कौन जानता है कि वह सही हो सकता है, वह गलत हो सकता है, लेकिन आइए जानें। क्यू सेरा, सेरा, जो भी होगा, होगा। भविष्य को देखना हमारे वश में नहीं है। लेकिन इसकी जांच क्यों नहीं की गई? कुछ बुद्धिमान टेलीविजन एंकर, जो एक बार दो बार शर्मसार हो चुके थे, अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा इस चेतावनी के साथ करते हैं कि सभी चुनावों में हमेशा त्रुटि की संभावना होती है और यह केवल एक सर्वेक्षण है।

सरकार को आइना दिखाने का काम करते हैं पत्रकार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/गौतमबुद्ध नगर। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन करने के साथ-साथ उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए पांच पत्रकारों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पत्रकार राष्ट्र के सच्चे प्रहरी होते हैं। वह सरकार को आइना दिखाने का काम करते हैं और आम जनमानस को जागरूक कर राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देते हैं। लेकिन देश में विषम परिस्थितियों के चलते वर्तमान दौर में निष्पक्ष व निर्भीक पत्रकारिता करना चुनौती भरा कार्य हो गया है। जितेन्द्र बच्चन ने कहा कि प्रेस, पब्लिक और प्रशासन सभी मिलकर सेतु का काम करते हैं, किंतु पीत पत्रकारिता और सरकारी निरंकुशता बेईमानी और भ्रष्टाचार आदि के द्वारा स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति अथवा प्रेस की आजादी पर कुठाराघात जारी है, जोकि विकसित भारत और समृद्ध भारत बनाए जाने में रुकावट का काम कर रहा है। मगर उन्हें उम्मीद है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकार अपना अभियान जारी रखेंगे।

बच्चन ने कहा कि करीब 198 वर्ष पूर्व 30 मई को कलकत्ता से संपादक जुगल किशोर शुक्ला ने हिंदी का जो पहला अखबार 'उदन्त मार्तण्ड' निकालकर विश्व में इतिहास रचा था। आज वही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ढहने के कगार पर है। हिंदी पत्रकारिता सदैव कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्था को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है लेकिन आज पत्रकारों पर कोई भरोसा करने को तैयार नहीं है। शायद इसके लिए कहीं न कहीं हम खुद भी जिम्मेदार हैं। हमने अपनी कलम को धार तो दी पर पत्रकारिता का मूल उद्देश्य 'सेवा भाव' भूल गए। सरकार को भी चाहिए कि वह सकारात्मक रुख अख्तियार करे, तभी पत्रकार अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वाह कर पाएंगे।

दनकौर स्थित बिलासपुर में आयोजित गोष्ठी में अपने विचार रखते हुए भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय सचिव व सामाजिक चिंतक नंद गोपाल वर्मा ने कहा है कि स्वस्थ पत्रकारिता से ही नए समाज और विकसित भारत का निर्माण हो सकता है। इसके लिए पत्रकारों की सुरक्षा और प्रेस की आजादी की गारंटी सरकार को देनी चाहिए, वरना उनकी पुख्ता सुरक्षा के बिना देश में लोकतंत्र बेईमानी है। उन्होंने विगत सात-आठ वर्षों में 250 पत्रकारों की हत्या पर चिंता जताते हुए इन्हें केंद्र व राज्य सरकारों के माथे पर कलंक बताया है। कार्यक्रम का संचालन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश सचिव राजेश शर्मा ने व अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष वीरेंद्र मलिक ने की। इस अवसर पर संयोजक गजेंद्र भाटी, अनिल कौशिक, सुरेंद्र भाटी, हरिप्रकाश बाबा, एडवोकेट सोनू शर्मा, मुकेश सिंह समेत कई पत्रकार, कवि, साहित्यकार एवं अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रेल यात्रियों को शर्बत एवं पेयजल दिया गया - पंकज कुमार श्रीवास्तव

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। गोंडा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सावन कृपाल रुहानी मिशन द्वारा विभिन्न रेल गाड़ियों में शर्बत एवं पेयजल वितरित किया गया। गोंडा रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्म नंबर दो पर मिशन के दीपक बरियानी,नीरज मन्जर,अन्शू कलानी, प्रेम प्रकाश वाल्मीकि,कमल बलेजा, स्वाती, नान्सी अडवानी,आदि ने कई प्रमुख रेल गाड़ियों के यात्रियों को शर्बत पिलाया जिससे गर्मी एवं प्यास से बेहाल यात्रियों को काफी राहत महसूस हुई।

रेलवे स्टेशन पर सावन कृपाल रुहानी मिशन द्वारा रेल यात्रियों हेतु आयोजित कार्यक्रम में पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार यादव चंद्रभान, दानिश, उमेश श्रीवास्तव समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे स्टेशन के प्लेटफार्म निरीक्षक के.एल यादव के अनुसार मिशन द्वारा प्लेटफार्म नंबर दो पर गाड़ी संख्या 15212 ,12512 ,22532 सहित कई रेल गाड़ियों के रेल यात्रियों को शर्बत एवं पेयजल दिया गया।

गुरुद्वारा नाका हिंडोला में सुखमणि साहिब के पाठ का प्रवाह जारी

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। साहब श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज सिखों के पांचवे गुरु, उनकी शहादत को समर्पित 40 दिनों के श्री सुखमणि साहिब के पाठ का प्रवाह श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला में लगातार जारी है।और आज इसको 30 दिन हो जाएंगे।

10 जून को गुरु अर्जन देव जी महाराज का शहीदी दिवस है। उनकी शहादत को बड़ी श्रद्धा और प्यार से याद करते हुए उनकी शहादत को श्रद्धा के सुमन अर्पित करते हुए 1 मई से प्रातः अमृत वेले 5:00 बजे श्री सुखमणि साहिब के पाठ दीवान हाल में प्रारंभ हुए थे। जिसमें भारी संख्या में संगत हिस्सा ले रही है, जिसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। जो सुबह-सुबह गुरुद्वारा साहब में पहुंचकर गुरु महाराज की हजूरी में बैठकर बड़ी प्यार और श्रद्धा के साथ श्री सुखमणि साहिब का पाठ करते हैं , उपरान्त आनंद साहिब के पाठ के बाद अरदास की जाती है और गुरु महाराज के चरणों में नमन किया जाता है। समाप्ति के पश्चात गुरु का प्रसाद वितरित किया जाता है जिसकी सेवा स0 इंद्रजीत सिंह, दशमेश सेवा सोसाइटी के कार्यकर्ता संगत के साथ मिलकर करते हैं।

बड़ी मस्जिद चौराहा पर निःशुल्क मिनरल वाटर प्याऊ का हुआ शुभारम्भ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सद्भावना क्लब जौनपुर ने अध्यक्ष हफीज शाह के नेतृत्व में सेवा भाव के तहत विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रचण्ड गर्मी को देखते हुए राहगीरों हेतु बड़ी मस्जिद चौराहा पर निःशुल्क जल वितरण स्टॉल सद्भावना क्लब द्वारा लगवाया गया। प्याऊ का उद्घाटन समाजसेवी आशीष मिश्रा ने किया जहां उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में जहां हर इंसान कड़ी धूप से परेशान है, वहीं इस तरीके के ठंडे जल की व्यवस्था करने से आम जनमानस में प्यास से कुछ राहत मिलेगी। यह एक पुण्य का कार्य है। इसी क्रम में अध्यक्ष हफीज शाह ने कहा कि पानी का इंतजाम करना हर धर्म और इंसानियत के लिए पुण्य का कार्य है। वहीं पूर्व अध्यक्ष आशीष साहू और मधु सूदन बैंकर ने संयुक्त रूप से कहा कि शुद्ध शीतल जल व मिष्ठान का स्टॉल अनवरत गर्मी भर चलता रहेगा। पूर्व अध्यक्ष श्रवण साहू और नरसिंह अवतार जायसवाल ने संयुक्त रूप से कहा की सैकड़ों की संख्या में लोग इस प्याऊ से हर वर्ष पानी पीते हैं। और यह अनवरत पूरी गर्मी तक चलता रहेगा। संचालन कोषाध्यक्ष मोहम्मद रजा खान व आभार कार्यक्रम संयोजक आकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से संतोष अग्रहरी,विकास अग्रहरी, अतीत मौर्या,हाजी सैय्यद फरोग, विनीत गुप्ता,मास्टर कलीम अहमद,मिर्जा तालिब कजलबाश, अशियम समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

अपोलोमेडिक्स हास्पिटल में महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित पहल कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने आज 'पहल' नामक एक विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया, जो पूरी तरह से महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित रहा। इस कार्यक्रम में स्त्री रोग, त्वचा देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक व्यायाम और पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी। पहल कार्यक्रम 2022 में शुरू किए गए पहल - ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता अभियान का विस्तारित रूप है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान देना है। कार्यक्रम की शुरुआत मेहमानों के स्वागत और परिचय के साथ हुई। प्रीति पांडे ने स्वस्थ भोजन के बारे में जानकारी देते हुए एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। इसके बाद, डॉ. एकता शर्मा ने महिला स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और दर्शकों के सवालों के जवाब दिए। प्रीति पांडे ने स्वस्थ भोजन से जुड़े मिथकों और तथ्यों पर भी प्रकाश डाला। डॉ. प्रगति गोगिया जैन ने महिलाओं के लिए त्वचा देखभाल के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी साझा की। डॉ. सत्य श्रीराम ने ऑनलाइन माध्यम से महिलाओं और रोगों से बचाव के तरीकों पर जानकारी दी। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीईओ व एमडी डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, हम पहल कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सही जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें गर्व है कि हम विशेषज्ञों की मदद से महिलाओं को स्वस्थ रहने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दे रहे हैं और उनके जीवन को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। डॉ. साहना नागराज ने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव से निपटने के तरीकों पर चर्चा की। फिजियो थेरेपिस्ट टीम ने महिलाओं के लिए उपयुक्त व्यायाम और कार्यस्थल पर बैठने की सही मुद्रा के बारे में जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने बताये भीषण गर्मी व लू से बचाव के टिप्स, सुरक्षा उपायों को अपनाने एवं सतर्क रहने की अपील

'ब्यूरो रिपोर्ट-
जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया है कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार भीषण गर्मी का प्रकोप अभी जारी रहेगा तथा वर्तमान में पारा 43 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि जनसामान्य हीटवेव (लू) से बचाव को लेकर सतर्क रहें तथा बचाव के उपायों को जानें एवं अपना तथा समुदाय का बचाव कर सकें। जिलाधिकारी ने गर्म हवा/लू से बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि गर्मी हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर, जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आतीं हैं, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। उन्होंने बचाव के बारे में बताया कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें। खाना बनाते समय घर के खिड़की दरवाजे आदि खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थों, शराब अथवा अल्कोहल से बचें। उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें तथा बासी भोजन कतई न इस्तेमाल करें इसके साथ ही संतुलित व हल्का आहार लें। दोपहर के समय यदि बहुत आवश्यक हो तभी घर से धूप में बाहर निकलें अन्यथा धूप में जाने से बचें और यदि जाना ही पड़े तो सिर को जरूर ढकें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि लू व गर्म हवा से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए।

शनिवार व रविवार को आम जनमानस के लिए खुला रहेगा महाराणा प्रताप पार्क

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजपूत सेवा समिति के सदस्य ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि नगर के कालीचाबाद तिराहे पर बना महाराणा प्रताप प्रतिमा पार्क अब प्रत्येक शनिवार व रविवार को समय शाम 4 बजे लेकर रात्रि 8 बजे तक खुला रहेगा। ज्ञातव्य हो कि पिछले 9 मार्च 2024 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर स्थित कलीचाबाद तिराहे पर स्थित पार्क में राजपूत सेवा समिति की ओर से स्थापित की गयी महाराणा प्रताप की प्रतिमा का रिमोट के माध्यम से अनावरण किया। घोड़ा चेतक समेत 15 फीट की प्रतिमा गनमेटल से निर्मित है। मूर्ति को बहुत ही ध्यान से मुख्यमंत्री ने देखकर नमन किया था। महाराणा प्रताप कि प्रतिमा को निहारते नहीं थक रहे थे। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह तथा भाजपा अगला प्रदेश पैनलिस्ट ओमप्रकाश सिंह,राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, भाजपा नेता ज्ञानप्रकाश सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह,रमेश मिश्रा, रमेश सिंह सहित आदि ने स्वागत किया था।

डिजिटल युग ने हिंदी पत्रकारिता को दिया नया आयाम - कुलपति प्रो0 वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के संयुक्त संयोजन में गुरुवार को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के सुअवसर पर डिजिटल दौर में हिन्दी पत्रकारिता के बदलते आयाम विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 वन्दना सिंह ने कहा कि डिजिटल युग ने न केवल हमारे संवाद के तरीकों को बदला है, बल्कि हिंदी पत्रकारिता के परिदृश्य को भी एक नया आयाम दिया है। यह परिवर्तन न केवल तकनीकी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे समाज, संस्कृति और भाषा पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है। कहा कि डिजिटल युग ने हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां भी प्रस्तुत की हैं। इसके लिए जिम्मेदार पत्रकारिता और सही तथ्य-जांच के महत्व को भी हम नकार नहीं सकते। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि इस माध्यम का उपयोग सच्चाई और निष्पक्षता के साथ करें, ताकि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य बना रहे। वेबिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अवध विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि किसी भी समाज एवं संस्कृति में पत्रकारिता का बड़ा योगदान है। पत्रकारिता समाज को दिशा प्रदान करती है। पत्रकारिता के सिद्धांत पर ध्यान देना आवश्यक है कि पहले सूचनाओं को जांचिए, फिर लिखिए। क्योंकि समाज में पत्रकारिता एक पथ प्रदर्शक का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सूचनाओं को और अधिक जांचने और परखने की जरूरत है। समाज में कोई ऐसी सूचना नहीं जानी चाहिए जिससे समाज में भ्रम की स्थिति पैदा हो। पर्यावरण, सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक शैक्षिक मुद्दों पर सकारात्मक रिपोर्टिंग और समाज को सही जानकारी देना यही पत्रकारिता का धर्म है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आशुतोष शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक दैनिक जागरण, उत्तर प्रदेश ने कहा कि पत्रकारिता करने वाले सदैव अपने पाठक को ध्यान में रखकर काम करें। समाज की खबरें सामने लाने का प्रयास करें। पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने के लिए जुनून का होना आवश्यक है। जब पत्रकारिता जुनून के लिए की जाती है तब आपकी कलम से समाज में लोगों का भला होता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के लिए राजनीति, खेल और सिनेमा की बारीकियां का पता होना चाहिए। इसकी पहली शर्त है कि प्रत्येक पत्रकार को पढ़ने की आदत होनी चाहिए। जब तक पढ़ेंगे तब तक चलेंगे इस सिद्धांत पर कार्य करना होगा। संस्कार एवं परंपराओं को समझाना और आत्मसात करना होगा। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो0 मनोज मिश्र ने एवं संचालन डॉ0 दिग्विजय सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन अविवि के पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 अविनाश पाथर्डीकर, डॉ0 सुनील कुमार, डॉ0 अवध बिहारी सिंह, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, डॉ0 वन्दना दूबे, डॉ0 दयानन्द उपाध्याय, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में दोनों विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण में नीलेश गौर मध्य प्रदेश ने राम भरत पादुकाये भेंट कीं

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर धाम निर्माण नर किन्नर अटल पुरुषार्थ ट्रस्ट द्वारा तृतीय वार्षिक महोत्सव अटल त्याग दिवस चित्रकूट पादुका महोत्सव धूमधाम से चांदापुर हरपालपुर हरदोई उत्तर प्रदेश मे मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नैमिषारण्य पीठाधीश्वर बाल विद्या महाराज ने की मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता चित्रकूट से आये डा राम नारायण त्रिपाठी गायत्री शक्ति पीठ चित्रकूट ने हरि प्रिय हरदोई को कहा राष्ट्रीय संत दीपक जी महाराज ने उद्बोधन करते हुए कहा कि अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण नर किन्नर मिलकर सेतुबंध रामेश्वरम की पुनरावृत्ति होगी मध्य प्रदेश सागर जनपद से आयी अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण की मध्य प्रदेश अध्यक्ष राजवती ने भरत के राजधर्म का चांदी का मुकुट अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण को भेंट किया प्रेमा बुआ किन्नर ने संजीव द्विवेदी मानस पुत्र अटल बिहारी बाजपेई पूर्व प्रधान मंत्री भारत को राखी बाँधकर सेतुबंध रामेश्वरम तक का संदेश दिया। अटल पुरुषार्थ ट्रस्ट के सचिव मदन मोहन शर्मा उपाध्यक्ष अखिलेश त्रिवेदी एडवोकेट उप ट्रस्टी देवेंद्र शुक्ल अरिमदन उपाध्याय आलोक सिंह हिमालय सिंह पूर्व प्रधान जिला पंचायत सदस्य पप्पू त्रिवेदी शिव कुमार यादव राजदेव यादव सदस्य मन्दिर निर्माण विनोद पाण्डेय भुवनेश पाठक रजनीश द्विवेदी प्रधान सतीश अवस्थी प्रधान सर्वेश राजपूत पूर्व प्रधान उपस्थित मंच का संचालन यतींद्र पाठक पूर्व प्रधान व सैनिक ने किया हजारो लोग उपस्थित रहे अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मे चित्रकूट किन्नर बहनो द्वारा दी पादुकाओ की पूजा होगी भगवान बुद्ध का संदेश नमो बुद्धाय बिना युद्धाय विश्व को संदेश देगा अटल जी की मूर्ति देगी राजधर्म के संदेश।

डंपर के पीछे बाइक घुसने से युवक की मौत

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)पिहानी रोड पर अयारी गांव में खड़े डंपर में पीछे से एक तेज रफ्तार बाइक घुस गई जिससे बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची मंझिला पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

इंस्पेक्टर सुब्रत तिवारी के अनुसार गुरुवार दोपहर ग्राम लोनी निवासी अनीश पुत्र लाखन 25 वर्ष बाइक से पिहानी की ओर जा रहा था। वह जैसे ही अयारी गांव के पास पहुंचा। वहां पर सड़क किनारे एक डंपर खड़ा हुआ था। बाइक तेज रफ्तार होने की वजह से असंतुलित होकर डंपर के नीचे घुस गई।

जिससे बाइक सवार अनीश की मौत हो गई। मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पाकर मंझिला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बुखार से दो की मौत हुई

बांदा, संवाददाता। बुखार के चलते दो लोगों ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। मंगलवार को ट्रॉमा सेंटर में बुखार और डायरिया से ग्रसित 12 मरीजों को भर्ती कराया गया है। डायरिया और बुखार से ट्रॉमा सेंटर के सभी 30 बेड फुल रहे। उधर, ओपीडी में भी 1,122 मरीजों ने अपनी आमद दर्ज कराई। ज्यादातर मरीज डायरिया और बुखार के रहे।

शहर के खाईंपार मोहल्ला निवासी मुन्ना हाशमी (58) को बुखार के चलते 26 मई को भर्ती कराया गया था। 27 मई की रात उसने दम तोड़ दिया। इसी तरह सोसतिया (80) को उसके परिजनों ने बुखार के चलते 26 मई की रात भर्ती कराया था। मंगलवार को दोपहर उसने भी दम तोड़ दिया। उधर, बाघा गांव निवासी रामचंद्र (55), लुकतरा गांव निवासी अंशिका (आठ माह) पुत्री कुलदीप, देवीदीन (70), सुकुल कुआं निवासी शिवकली (85), सरधुआ निवासी देवपाल (52), इचौली निवासी सूरा (60), निवादा निवासी शिवकुमार (70), इचौली निवासी रामखेलावन (50), मोहदा निवासी साक्षी (1), परशुराम तालाब निवासी गुनगुन (11), छनेहरा निवासी शरीफ (18), जवाहर नगर निवासी शिवकन्या (23) को डायरिया और बुखार के चलते भर्ती कराया गया है। वर्तमान समय तापमान बढ़ने डायरिया और बुखार के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने सलाह दी कि इस मौसम में बहुत जरूरी हो तो घर से निकले। खाली पेट न रहे। पानी पीते रहे। नमक और चीनी का घोल भी पी सकते हैं।

जिला अस्पताल में स्ट्रेचर पर तड़पता रहा मरीज, नहीं किया सीटी स्कैन

शामली, संवाददाता। जिला अस्पताल की सीटी स्कैन यूनिट की व्यवस्था में सुधार होते दिखाई नहीं दे रहा है। मंगलवार को यूनिट में सीटी स्कैन कराने आया व्यक्ति करीब तीन घंटे तक स्ट्रेचर पर ही पड़ा रहा। आरोप है कि व्यक्ति का सीटी स्कैन नहीं किया गया। इसमें आधार कार्ड नहीं होने की बात कहीं गई। बाद में बिना सीटी स्कैन कराए ही परिजन मरीज को लेकर चले गए। उधर, यूनिट में पंखों की सुविधा नहीं होने के कारण मरीज परेशान रहे। मरीजों ने इसको लेकर हंगामा भी किया। लाख गांव के रहने वाले हिमांशु ने बताया कि उसके ताऊ संजय के फेफड़ों में इंफेक्शन है और सांस में भी दिक्कत है। मंगलवार को वह ताऊ को सुबह करीब दस बजे अस्पताल में उपचार के लिए लेकर पहुंचा। चिकित्सक ने सीटी स्कैन के लिए लिख दिया। आरोप है कि करीब तीन घंटे तक ताऊ स्ट्रेचर पर ही अस्पताल प्रांगण में पड़े रहे। मगर सीटी स्कैन नहीं किया गया। कर्मचारी ने बताया कि संजय के पास आधार कार्ड नहीं था, जिसके कारण सिटी स्कैन नहीं किया। परिजनों ने जिलाधिकारी से भी मामले की शिकायत करने की बात कहीं है। सीटी स्कैन नहीं होने पर परिजन संजय को लेकर घर चले गए। उधर, यूनिट में सीटी स्कैन कराने के लिए आने वाले मरीजों के लिए पंखों की व्यवस्था नहीं की गई है, जिसके कारण मरीजों, तीमारदारों को परेशानी हो रही है। गुस्साएं मरीजों, तीमारदारों ने इसको लेकर हंगामा किया। मरीजों ने आरोप लगाया कि यूनिट में कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं, मनमाने तरीके से सीटी स्कैन किए जा रहे है और विभागीय अधिकारी यूनिट पर कोई ध्यान नहीं दे रहे है, जिसके कारण मरीजों को चार से लेकर पांच घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। गर्मी में पंखे नहीं होने से सबसे अधिक परेशानी हो रही है। मरीजों ने जिलाधिकारी से मामले की शिकायत करने की बात कहीं है। जिलाधिकारी रविंद्र सिंह का कहना है कि मरीजों के लिए यूनिट में पंखों की सुविधा नहीं होने के मामले की जानकारी नहीं है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा। प्रयास रहेगा कि मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाए। खेड़ी करमू गांव के रहने वलो रविंद्र कुमार ने कहा कि सुबह 9 बजे से लाइन में लगे हुए हैं मगर दोपहर 1 बजे तक भी नंबर नहीं आया। कहा कि मरीजों के लिए विभागीय अधिकारियों को पंखों की व्यवस्था करनी चाहिए। गर्मी में अधिक परेशानी हो रही है। कांग्रेस शहर के अध्यक्ष लोकेश कटारिया का कहना है कि गर्मी के कारण मरीजों को परेशानी हो रही है मगर विभागीय अधिकारियों को इससे कोई लेना देना नहीं है। दो घंटे से सीटी स्कैन का इंतजार कर रहे हैं। महिला विमल ने कहा कि सुबह 9 बजे से सीटी स्कैन के लिए बैठी हूं मगर 12:30 बजे तक भी नंबर नहीं आया। गर्मी में पंखें नहीं है, अधिक परेशानी हो रही है। शामली के रोडवेज बस स्टैंड के पास रहने वाली महिला डिंपल ने कहा कि गर्मी में विभागीय अधिकारियों को मरीजों, तीमारदारों के लिए कम से कम पंखे जरूर लगवाने चाहिए। जिला अस्पताल में मरीज के स्ट्रेचर पर पड़े होने के बावजूद सीटी स्कैन नहीं होने की जानकारी नहीं है। जांच कराई जाएगी। प्रयास रहेगा कि मरीजों को अस्पताल में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाए।

जानलेवा हमले में दोषी को 10 वर्ष का कारावास

बांदा, संवाददाता। साढ़े छह साल पूर्व तिंदवारी थाना क्षेत्र के गोधनी गांव में एक युवक पर जानलेवा हमले के दोषी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ.बब्बू सारंग की अदालत ने 10 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही नाजायज असलहा रखने के जुर्म में भी सजा सुनाते हुए एक लाख एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अर्थदंड की अदायगी न करने पर छह माह अतिरिक्त सजा काटनी होगी। जुर्माने की 80 हजार रुपये की धनराशि पीड़ित को क्षतिपूर्ति के रूप में अदा की जाएगी। दोषी को जेल भेज दिया गया। तिंदवारी थाना क्षेत्र के गोधनी गांव निवासी गिरधारी ने 15 दिसंबर 2017 को प्राथमिकी दर्ज कराई कि 13/14 दिसंबर 2017 की रात उसका पुत्र रामकिशोर व उसके बेटे धर्मराज खलिहान में सो रहे थे। बहू गेंदिया भी थी। करीब ढाई बजे उसका पुत्र रामकिशोर लघुशंका कर रहा था। तभी तीन लोग उसके बेटे को पीटने लगे। इसी दौरान नाती धर्मराज बचाने आया तो उसको गोली मार दी। गोली नाती के जबड़े में लगी। वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। तीनों हमलावर खेतों की तरफ भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की। विवेचना के दौरान कमल पांडेय गोधनी का नाम प्रकाश में आया। उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया। कमल पांडेय के विरुद्ध 1 सितंबर 2018 को आरोप बनाया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाह पेश किए गए। पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों व अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने अपने 24 पृष्ठीय फैसले में कमल पांडेय को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

जमीन के विवाद में सगे भाइयों पर चाकू से हमला

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में कल्याणपुर के बैरी खेड़ा में जमीन पर कब्जा करने पहुंचे आरोपियों ने देखभाल कर रहे सगे भाइयों पर चाकुओं से हमला कर दिया। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों की हालत नाजुक बताई जा रही है। कल्याणपुर के धनऊपुरवा गांव निवासी देशराज ने बताया कि बैरी अकबरपुर में आराजी संख्या 797 डॉ संजय निषाद व पंकज निषाद की है। इसकी देखभाल की जिम्मेदारी उनके पास है। 26 मई की दोपहर गांव के ही रंजीत, धर्मेंद्र, जितेंद्र, सचिन, मनोज, कंधई व रेनू अपने छह साथियों के साथ पहुंचे और वहां बंधे जानवरों व झोपड़ी को हटाने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने तमंचा लहराते हुए उनके भाई रंजीत व शिवबाबू पर चाकुओं से वार कर घायल कर दिया। शोर सुनकर घरों से बाहर निकले पड़ोसियों के विरोध करने पर आरोपी गली गलौज करते हुए मौके से भाग गए। इधर पड़ोसियों की मदद से घायल दोनों भाइयों का लखनपुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि घटना में शामिल आरोपी धर्मेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। अन्य लोगों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

नाले के पास मिला अज्ञात युवक का शव

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में सरसौल कस्बे के कुशवाहा गेस्ट हाउस से पहले रोड वाली मस्जिद के पास नाले के किनारे अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला है। सूचना पर सरसौल चौकी प्रभारी पवन मिश्रा मय फोर्स पहुंचे। अज्ञात युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि नाले के पास ही एक अज्ञात व्यक्ति तीन–चार सालों से रहता था, जो कई कपड़े पहने रहता था और अपने सिर पर हमेशा पगड़ी बांधे रहता था। साथ ही, कुछ कपड़े हाथ में लिए रहता था। उसकी उम्र लगभग 48 वर्ष है, जो मंगलवार रात नाले के पास सोया हुआ था। सुबह आस पास से निकले ग्रामीणों ने बताया कि उसकी मृत्यु हो गई है। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे सरसौल चौकी प्रभारी पवन मिश्रा ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

कमरे में फंदे पर लटका मिला सफाई कर्मचारी की पत्नी का शव, डेढ़ वर्ष पहले हुई थी शादी

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के देहली गेट थाना क्षेत्र में घंटाघर के निकट वाल्मीकि बस्ती में सफाई कर्मचारी की पत्नी का शव घर में फंदे पर लटका मिला। घंटाघर के निकट वाल्मीकि बस्ती निवासी निखिल नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। करीब डेढ़ वर्ष उसकी शादी खतौली निवासी बरखा(23) के साथ हुई थी। मंगलवार रात बरखा का शव कमरें में फंदे पर लटका मिला। पुलिस की पूछताछ में निखिल ने बताया कि किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई थी। पत्नी ने दूसरे कमरे में जाकर पंखे पर फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर बरखा के पिता बिजेंद्र, मां, भाई दीपक समेत परिजन भी आ गए। उन्होंने बरखा की हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाने पर हंगामा किया।

रियल इस्टेट कारोबारी बने 100 किसानों ने की 25 करोड़ से अधिक की कर चोरी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में खेतिहर जमीन को आवासीय में बदलवाकर किसान छोटे–छोटे प्लॉट बनाकर बेच रहे हैं। इससे करोड़ों रुपये की कमाई तो कर रहे हैं, लेकिन सरकार को कर नहीं दे रहे हैं। कानपुर रीजन के आगरा में ऐसा मामला पकड़ में आने के बाद विभाग ने कानपुर शहर में भी जांच कराई, तो बड़ा खेल पकड़ में आया। आयकर विभाग ने शहर के 100 किसानों को चिह्नित कर नोटिस भेजे हैं। इन पर करीब 25 करोड़ रुपये की देनदारी निकली है। ये नोटिस वित्तीय वर्ष 2020–21 में प्लॉटिंग के जरिये की गई कमाई के आधार पर दिए गए हैं। दरअसल, आयकर विभाग कर चोरी और काले धन को रोकने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।

प्लॉट इतने छोटे काट रहे थे कि कीमत 30 लाख से कम रहे

इस मामले में विभाग को सालाना सूचना विवरण (एआईएस) और 18 स्रोतों से जानकारी मिली की रियल इस्टेट कारोबारी बने किसान बड़े पैमाने पर आयकर की चोरी कर रहे हैं। इसके लिए प्लॉट इतने छोटे काट रहे थे कि उनकी कीमत 30 लाख रुपये से कम रहे, ताकि आयकर की नजर से बचे रहें।

करोड़ों रुपये कमाने वाले 100 किसानों को नोटिस

आयकर विभाग के उच्च सदस्य सूत्रों के मुताबिक आसूचना एवं आपराधिक अन्वेषण शाखा ने वित्तीय वर्ष 2020–2021 में प्लॉटिंग कर करोड़ों रुपये कमाने वाले 100 किसानों को नोटिस भेजा है। इन मामलों में या तो रिटर्न ही नहीं दाखिल किए गए या आय को पूरी तरह से छिपाया गया।

ऐसे पकड़ में आया मामला

कानपुर रीजन (पश्चिमी उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड) के आगरा शहर में एक किसान ने अपनी पुश्तैनी जमीन बेचने के लिए एक व्यक्ति से करार किया। इसकी जानकारी आयकर विभाग को लगी। विभाग ने जब उपनिबंधक कार्यालय से जानकारी जुटाई तो पता चला कि करार रद्द हो चुका है।

बेचे थे 50 प्लॉट, एक रुपये भी नहीं दिया था कर

इसके बाद विभाग ने किसान के बारे में जांच–पड़ताल की तो मालूम हुआ कि उसने पुश्तैनी जमीन पर 50 से अधिक प्लॉट काटे और बेचकर रजिस्ट्री की। इससे उसने करोड़ों रुपये कमाए, लेकिन टैक्स नहीं अदा किया। अब किसान पर साढ़े पांच करोड़ रुपये कर की देनदारी निकली है। विभाग ने किसान के साथ–साथ उससे जमीन खरीदने वालों को भी नोटिस जारी कर टैक्स अदा करने का आदेश जारी किया है।

आगरा के केस ने किया चौकन्ना, अन्यथा 30 लाख के ऊपर के प्लॉट पर ही देते ध्यान

दरअसल, 30 लाख या इससे अधिक के प्लॉट की रजिस्ट्री होने पर रजिस्ट्रार कार्यालय आयकर विभाग को सूचना भेजता है। इन किसानों ने जो प्लॉट बेचे हैं, उनकी कीमत 30 लाख से कम दिखाई गई है। इस वजह से आयकर विभाग को जानकारी नहीं हो पाई, लेकिन जब आगरा रीजन में ऐसा मामला पकड़ में आया, तो अन्य शहरों में भी जांच शुरू कराई गई। इस जांच में ही कानपुर के 100 किसानों की गर्दन फंस गई।

मेरठ में बनेगी सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप

मेरठ, संवाददाता। दिल्ली रोड पर गांव छज्जूपुर और मोहिउद्दीनपुर में बनने वाली प्रदेश की पहली सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप को पंख लगने शुरू हो गए हैं। मंगलवार को मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) के पक्ष में पांच किसानों ने 0.7983 हेक्टेयर भूमि का बैनामा कर दिया। इसकी एवज में 7.17 करोड़ रुपये के चेक दिए गए हैं। शीघ्र ही करीब 300 हेक्टेयर भूमि पर बहुमंजिली इमारतें, पार्क, आईटी हब सहित अन्य सुविधाएं विकसित होंगी। बैनामे सहित अन्य खर्च मिलाकर मेडा ने 7,75,26,341 रुपये खर्च किए हैं। इसी सप्ताह अन्य आठ खसरा संख्या से जुड़े किसान भी जमीन के बैनामे कराएंगे। दूसरे फेज में कायस्थ गावड़ी और इकला गांव में बहुमंजिली इमारतें दिखाई देंगी। टाउनशिप के लिए प्रदेश सरकार ने 200 करोड़ रुपये का बजट मेडा को जारी किया है। इससे मेडा ने जमीनों की खरीद शुरू कर दी है। मंगलवार को मोहिउद्दीनपुर की खसरा संख्या 136,137,140, व 142 के किसान श्यामपाल सिंह, यशपाल सिंह, योगेंद्र सिंह व गजेंद्र कुमार सिंह और रूपा सिंह की भूमि का बैनामा किया गया। मेडा के मुख्य नगर नियोजक विजय कुमार सिंह ने बताया कि पहले फेज में 112 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होगा। इसमें छज्जूपुर में 30.09 और मोहिउद्दीनपुर में 111.79 हेक्टेयर जमीन पर टाउनशिप विकसित होगी। इससे 750 किसान प्रभावित होंगे। वहीं, 85 हेक्टेयर जमीन के लिए 437 किसानों ने पूर्ण सहमति दे दी है। मंगलवार को पांच बैनामे किए गए हैं। शीघ्र ही आठ खसरा संख्या भूमि के भी बैनामे होंगे।

टिनशेड के नीचे चल रहे फौजी अस्पताल को किया गया सील, सीएचसी भेजे गए सभी मरीज

हरदोई, संवाददाता। हरदोई–लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कछौना कोतवाली क्षेत्र में कटियामऊ के पास टिनशेड के नीचे चल रहे अस्पताल को बुधवार को सील कर दिया गया। अमर उजाला में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेकर डीएम और सीएमओ के निर्देश पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर छप्पर के नीचे वार्ड में भर्ती मिली कैंसर मरीज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना में भर्ती कराया। इस दौरान अस्पताल संचालक और उसका सहयोगी मौके से भाग निकले। कटियामऊ के सामने फौजी अस्पताल संचालित था। यह अस्पताल टिनशेड के नीचे संचालित हो रहा था। वार्डों के नाम पर यहां छप्पर पड़े हुए थे और इन छप्परों के नीचे ही मरीज भर्ती थे। अमर उजाला ने इस अस्पताल की हकीकत बुधवार के अंक में प्रकाशित की थी। खबर का संज्ञान लेकर डीएम एमपी सिंह ने सीएमओ डॉ. रोहताश कुमार को तत्काल टीम भेजकर वास्तविकता पता करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में सीएमओ डॉ. रोहताश कुमार ने डिप्टी सीएमओ डॉ. मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर भेज दी। सीएचसी कछौना के अधीक्षक डॉ. किसलय वाजपेयी भी इस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। डिप्टी सीएमओ डॉ. मनोज कुमार सिंह के मुताबिक उन्नाव जनपद के कमलापुर निवासी पूनम यहां भर्ती मिलीं। छप्पर के नीचे बेड डालकर उनका उपचार किया जा रहा था और वह कैंसर से पीड़ित हैं। उन्हें सीएचसी भेज दिया गया। पूनम ने ही जांच टीम को बताया कि दो और मरीज भर्ती थे, लेकिन बुधवार की सुबह डॉ. एके पासवान ने आकर बताया कि वह बाहर जा रहे हैं और दोनों मरीजों की छुट्टी कर दी। मौके पर जब टीम पहुंची तो न चिकित्सक मिले और न ही उनके सहयोगी। अस्पताल में छापा पड़ने की जानकारी पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सीएमओ डॉ. रोहताश कुमार ने बताया कि अस्पताल संचालक को नोटिस भेजकर तीन दिन में जवाब मांगा जाएगा। जवाब न मिलने पर या जवाब संतोषजनक न होने पर एफआईआर दर्ज करा दी जाएगी।

बीमारियां बरपा रही कहर, चिकित्सकों को तलाश रहे मरीज

बागपत, संवाददाता। गर्मी के कारण बीमारियां कहर बरपा रही है और जिला अस्पताल में रोजाना एक हजार से ज्यादा मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। मरीज बढ़ने के बाद भी वहां चिकित्सक नहीं मिल रहे हैं और मरीजों को उनका घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। पंजीकरण खिड़की तक समय पर नहीं खुल रही है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाएं कैसे बेहतर हो सकती है। जिला अस्पताल में चिकित्सकों के बैठने का समय सुबह आठ बजे है। वहां भीड़ होने के कारण मरीज सुबह सात बजे ही पहुंचने शुरू हो जाते हैं। जिससे वह पंजीकरण खिड़की खुलते ही सबसे पहले पर्ची बनवाकर चिकित्सक से उपचार करा सकें। मगर उपचार के लिए जिस पंजीकरण खिड़की से शुरूआत होती है, वह खिड़की ही सवा आठ बजे के बाद खुली। जबकि उससे पहले ही वहां काफी मरीजों की भीड़ लग गई थी। वहां से पर्ची बनवाकर मरीज अंदर पहुंचे तो वहां उनको अपने कक्षों में चिकित्सक नहीं मिले और उसके बाद काफी देर तक वहां इंतजार करना पड़ा। इस तरह मरीजों को अस्पताल में मर्ज ठीक कराने के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

– ये चिकित्सक कक्षों में काफी देर बाद पहुंचे

बाल रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, परामर्शदाता मनोचिकित्सक, इंजेक्शन कक्ष में चिकित्सक, आयुष चिकित्सक, महिला अस्पताल में महिला चिकित्साधिकारी, दंत रोग चिकित्सक समेत अन्य के कक्ष खाली रहे। इनमें किसी का कक्ष साढ़े आठ बजे तक खाली पड़ा था तो किसी का नौ बजे तक खाली रहा।

आयुष्मान कक्ष साढ़े नौ बजे तक भी नहीं खुला

नंगला जाफराबाद का उमेद अपनी पत्नी आरिफा को लेकर अस्पताल में पहुंचा था। उसको बुखार व लीवर में समस्या हो रही है और सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। वह साढ़े नौ बजे आयुष्मान भारत योजना के कक्ष में पहुंचा। मगर वहां कोई नहीं मिला तो उसने रोष जताया। इस तरह ही केतीपुरा के फरमान को चार दिन से आयुष्मान भारत योजना के कक्ष में चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

गोवंश आश्रय स्थल को 1.51 लाख की धनराशि भेंट

मेरठ, संवाददाता। जल जीवन मिशन योजना का कार्य कर रही कंपनी जीए इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गांव भैंसराव स्थित गोवंश आश्रय स्थल सेवा समिति को नलकूप निर्माण के लिए 1.51 लाख रुपये की सहायता प्रदान की। कंपनी जनरल मैनेजर चंद्रशेखर ने तहसील पहुंचकर एसडीएम दीपक कुमार को दान धनराशि का चेक सौंपा। एसडीएम ने कंपनी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि गोशाला में नलकूप के लगने से गोवंश के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था के साथ ही गोशाला में होने वाली चारे खेती की सिंचाई हो सकेगी।

बिजली–पानी, गन्ने की समस्याओं को लेकर किसान पहुंचे कलक्ट्रेट

शामली, संवाददाता। जिले के किसान संगठनों ने मांगो को लेकर कलक्ट्रेट पहुंचकर डीएम रविंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। मंगलवार को भाकियू के जिलाध्यक्ष कालेंद्र सिंह, बहावड़ी थांबेदार श्याम सिंह के नेतृत्व में किसानों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर डीएम रविंद्र सिंह को ज्ञापन दिया। किसानों ने सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने, निजी नलकूपों से मीटर लगवाने को रोकने, जिले की चीनी मिलो से किसानों के बकाया गन्ना भुगतान कराए जाने, छुट्टा पशुओं के लिए पशुशाला बनाए जाने, किसान आयोग का गठन करने, भूमि अधिग्रहण की नीति को किसानों के अनुकूल बनाए जाने, बाजार भाव से जमीनों का मुआवजा दिलाए जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में विरेंद्र, रोबिन, उपेंद्र मलिक,विदेश मलिक,अमित मलिक, अरविंद खोडसमा, विनोद मलिक, रामवीर, भारसी,नरेश आदि मौजूद रहे।

चीनी मिलों से बकाया दिलाए जाने की मांग

किसान यूनियन के जिला महासचिव रिजवान राणा के नेतृत्व में किसानों ने चीनी मिलों पर बकाया का भुगतान कराए जाने, कॉपरेटिव बैंक के सचिव का आदेश वापस लिए जाने, ब्याज कम करने और गोवंशों के लिए स्थान तय करने और बिजली बिल न जमा न होने से किसानो के कनेक्शन न काटे जाने की मांग की है।

तारीख पर जा रहे बाइक सवारों को डंपर ने कुचला

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में दीवानी में तारीख पर जा रहे बाइक सवार दो युवकों को मंगलवार सुबह एमजी रोड पर सेंट जोंस चौराहे के पास तेज रफ्तार डंपर ने रौंद दिया। डंपर चालक मौके से भाग गया। बाइक सवार एक युवक का हादसे में पैर कट गया। दूसरा गंभीर घायल है। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर केस दर्ज कर लिया है। ताजगंज निवासी अर्जुन और भगवान सिंह सुबह बाइक से एक मुकदमे की तारीख करने के लिए भगवान टॉकीज चौराहा स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय (दीवानी) जा रहे थे। सेंट जोंस चौराहे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मारी। टक्कर से बाइक सवार उछल कर एमजी रोड पर गिर पड़े। डंपर का पहिया अर्जुन के पैर का कुचलता हुआ ऊपर से निकल गया। भगवान सिंह के पैर में फ्रेक्चर हो गया। मौके चालक भाग निकला। गंभीर रूप से घायल दोनों बाइक सवार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक को अर्जुन का पैर काटना पड़ा। प्रभारी निरीक्षक लोहामंडी ने बताया कि डंपर को सीज किया है। अज्ञात चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

शव दफनाने को लेकर दो पक्ष उलझे, हंगामा

शामली, संवाददाता। गांव बाबरी में बुजुर्ग का शव कब्रिस्तान में दफनाने को लेकर दो पक्ष आमने –सामने आ गए। दोनों पक्षों ने जमीन को अपने पूर्वजों की बताया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और नायब तहसीलदार ने किसी तरह मामला शांत कराया। शव को दूसरे कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक कराया गया। मंगलवार को दोपहर अनीश खा का लंबी बीमारी के कारण मौत हो गई। अनीस 68 साल के थे। परिजन और ग्रामीण शव को सुपुर्दे खाक करने के लिए गांव के श्मशान घाट के पास कब्रिस्तान में जा रहे थे। बताया कि इसी बीच दूसरे पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए और शव को कब्रिस्तान में दफनाने का विरोध किया। कहा कि ये कब्रिस्तान उनके पूर्वजों के हैं। जबकि मृतक पक्ष ने खुद के पूर्वजों के कब्रिस्तान बताया। काफी देर तक हंगामा चलता रहा। बाद में मामले की सूचना पाते ही पुलिस और नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। किसी तरह ग्रामीणों को समझाया गया। पास में ही दूसरे कब्रिस्तान में शव को सुपुर्दे खाक कराया गया। नायब तहसीलदार ने बताया कि कब्रिस्तान किसके पूर्वजों के हैं, यह खसरा खतौनी का अवलोकन करने के बाद ही पता लग सकेगा। अभी कब्रिस्तान में किसी को भी शव दफनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पूर्व में हुआ था विवाद

करीब चार वर्ष पूर्व भी एक शव को दफनाने को लेकर बाबरी गांव में विवाद हो गया था जिसको गांव के जिम्मेदार व पुलिस प्रशासन द्वारा निपटवाया गया था।

जीएनएम छात्रा ने फांसी लगाकर दे दी जान

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में बुधवार को जीएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह किराए के मकान में रहकर पढ़ाई कर रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।